

न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बगोदर-सरिया (गिरिडीह)।

अनुसूची-14 फारम : 562

पुरली मंडल वकील

प्रथम पक्ष

सौर मंडल

द्वितीय पक्ष

वाद संख्या..... 98/21

धारा..... 144. द0प्र0सं0

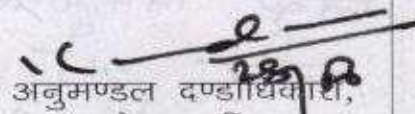
आदेश-पत्रक

(दिखें अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129)

आदेश सं0 कं. ता0..... से..... तक

जिला..... सं0..... से नं 20.....

केस का प्रकार.....

आदेश की क्रम सं0 और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
<p><u>28/06/21</u></p>	<p>आवेदक/आवेदिका..... <u>पुरली मंडल</u> पिता/पति..... <u>रख0 लडु मंडल</u>..... ग्राम <u>हैटकी सरिया</u> थाना..... <u>सरिया</u>..... जिला..... <u>गिरिडीह</u>..... द्वारा द0प्र0सं0 की धारा 144 के अंतर्गत विवादित भूमि मौजा..... <u>सरिया खुर्द</u> खाता सं0..... <u>01/39</u>..... प्लॉट संख्या <u>2021/4056</u> रकबा..... <u>156</u> चौहदी: 30-..... <u>सान खेत</u> द0-..... <u>पुरली डीम</u>..... पू0-..... <u>नीजा बरखे सरिया</u> प0-..... <u>गद्दी</u>..... में भू-विवाद के कारण निषेधाज्ञा लागू करने हेतु आवेदन दिया गया है। प्राप्त आवेदन पर जाँच/मंतव्य अंचल अधिकारी..... <u>सरिया</u>...../थाना प्रभारी..... <u>सरिया</u>..... से माँगें। अभिलेख दिनांक..... <u>15/07/21</u>..... को उपस्थापित करें।</p> <p style="text-align: right;">  अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बगोदर-सरिया। </p> <p> अपिलेख उपर-पामित। अंचल अधिकारी सरिया के पतांक 326 दिनांक 07/07/2021 के माध्यम से जाँच प्रतिवेदन प्राप्त है। जाँच प्रतिवेदन में प्रतिवेदित किया गया है कि इक्त पत्रिन पर दिख्ये अ अंतर उपय पक्षों विवाद आयत है। </p>	<p style="text-align: center;"><u>172</u> <u>28/06/21</u></p>
<p><u>13/7/21</u></p>		

आदेश की
क्रम सं०
और तारीख

आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश पर की
गई कारवाइ
के बारे में
टिप्पणी के
सहित


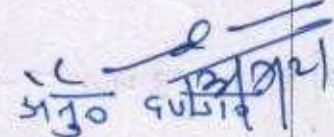
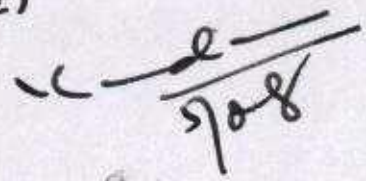
1

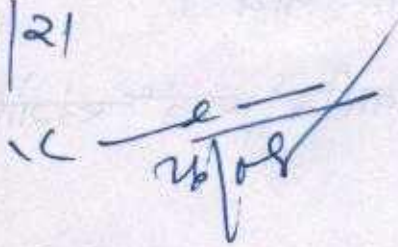
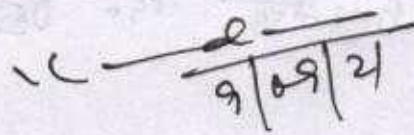
2

3

जांच प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद
संतुष्ट हूँ कि पूजा विवाद को लेकर
उपय पक्षों में शांति भंग होने की
आशंका है- एवं उपय पक्ष टकराव के
लिए तत्पर है- जिसके कारण इस क्षेत्र
में शांति भंग खून-खराबा तथा अपद्रव
हो सकता है- जो मेरे अधिकार क्षेत्र
में आता है। इस मामले में टकराव
को दूर करने तथा श्लाके में शांति
बताये रखने के लिए निरीधारण
कार्रवाई आवश्यक है।

इन तथ्यों के आलोक में
उपय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 के अंतर्गत
कार्रवाई प्रारंभ किया जाता
है तथा उपय पक्षों को 60 दिनों के
लिए विवादग्रस्त भूमि पर या उसके
नजदीक जान अथवा किसी भी तरह के
कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया
जाता है- तथा रोकता जाता है- साथ ही
उपय पक्षों से दिनांक 29/03/21
को कारणबद्धा की जांग की जाती है
कि ज्यों-ज्यों रख या दोनों पक्षों

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर क गई कार्रवाई वारे में टिप्पण तारीख सहित
1	2	3
	<p>के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पुष्ट किया जाय।</p> <p>लेखापत्र एवं संगोपित</p> <p>  अनुराग कुमार वर्गावर - सरिया </p> <p>  अनुराग कुमार वर्गावर - सरिया </p>	
23/08/21	<p>अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पत्र - उपस्थित।</p> <p>द्वितीय पत्र - अनुा अधिवक्ता गण</p> <p>न्यायिक कार्य से आप - अलग है।</p> <p>अभिलेख दि० 05/08/21 को रखें।</p>	
05/08/21	<p>अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पत्र - अनुा</p> <p>दि 24/08/21</p> <p>  अनुराग कुमार </p>	<p>अनुराग कुमार - वर्गावर - सरिया -</p>

आदेश की क्रम सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में निम्नलिखित तारीख सहित
1	2	3
26/08/21	<p>अभिलेख स्थापित। उमय पत्त अनु.। To 2/9/21 </p>	
09/09/21	<p>उमय पत्त अनु. उमय पत्त द्वारा सुलहनामा दरिबल किया गया है। सुलहनामा के आधार पर इस वार्ड की कार्यवाही समाप्त की जाती है। सुलहनामा इस आदेश का अंश होगा। </p>	